गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

एकात्म मानव दर्शन पर पंतनगर में राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रारम्भ

पंतनगर। 05 अगस्त 2017। पंतनगर विश्वविद्यालय के रतन सिंह सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्री नानाजी देशमुख की जन्म शताब्दी पर आज आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'एकात्म मानव दर्शन का व्यवहारिक स्वरूपः भारत के समेकित विकास के प्रयास' के उद्घाटन सत्र में उत्तराखण्ड के विद्यालयी शिक्षा मंत्री, श्री अरविन्द पांडे मुख्य अतिथि के रूप में विद्यमान थे, जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. जे. कुमार ने की। सत्र में प्रख्यात समाज सेवी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की केन्द्रीय कार्यकारणी के सदस्य, श्री अशोक बेरी; एकात्म मानव दर्शन के विशेषज्ञ एवं दार्शनिक, डा. महेश शर्मा; एवं उत्तरांचल उत्थान परिषद के उपाध्यक्ष, श्री प्रेम बड़ाकोटी, भी मंचासीन थे।

मंत्री, श्री अरविन्द पांडे ने अपने मुख्य अतिथि के सम्बोधन में कहा कि एकात्म मानव वाद का बड़ा उदाहरण चाय बेचने वाले बेटे का प्रधान मंत्री बनना, उत्तराखण्ड के बच्चे का उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री होना, संघ के प्रचारक का उत्तराखण्ड का मुख्यमंत्री होना तथा एक मजदूर के बेटे का उत्तराखण्ड का विद्यालयी शिक्षा मंत्री होना है। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की अत्यंत आवश्यकता है, ताकि गरीब भी अपने बच्चों की शिक्षा का खर्च उठा सके। श्री पांडे बताया कि उत्तराखण्ड की वर्तमान सरकार ने विद्यालयों में एनसीईआरटी की पुस्तकें लागू कर दी हैं तथा बुक बैंक की स्थापना भी कर दी गयी हैं, ताकि सभी के लिए शिक्षा सुलभ हो सके। उन्होंने नौजवान पीढ़ी एवं सभी लोगों को अपनी व्यैक्तिक समाजिक जिम्मेदारी (पीएसआर) निर्धारित करने की आवश्यकता भी बतायी व जीवन में सकारात्मक होने का संदेश दिया। श्री पांडे ने उत्तराखण्ड की जनता के सर्वांगीण विकास को ही अपनी सरकार का लक्ष्य बताया।

कुलपति, डा. जे. कुमार ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने हमेशा जिम्मेदारी से काम किया है एवं चुनौतियों का सामना किया है। विश्वविद्यालय में आज भी यह क्षमता विद्यमान है तथा आने वाले वर्षों में लोग इसका अहसास करेंगे। उन्होंने कहा कि 60 के दशक में विश्वविद्यालय के सामने केवल खाद्य सुरक्षा की चुनौती थी, लेकिन वर्तमान में इस चुनौती के साथ–साथ प्राकृतिक संसाधनों को बचाने एवं पर्यावरण परिवर्तन, की दो अन्य चुनौतियां भी सामने हैं, जिनका समाधान भी कृषि विश्वविद्यालयों को ढूंढना है। डा. कुमार ने समाजिक मान्यताओं में बदलाव की आवश्यकता बतायी ताकि पुरूष एवं महिला में किसी प्रकार का भेद–भाव न हो। साथ ही उन्होंने कृषि में अन्य क्षेत्रों के बराबर व बार–बार निवेश किये जाने पर बल दिया।

श्री अशोक बेरी ने दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन के लक्ष्य, अंत्योदय, यानि अंतिम व्यक्ति का उदय अथवा उत्थान, के बारे में विस्तार से बताया एवं उनके अखण्ड मंडलाकार के सिद्धांत की जानकारी दी जिसमें व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र एवं विश्व को एक दूसरे से जोड़कर सबके विकास की संकल्पना जुड़ी है। उन्होंने कहा कि दीनदयाल जी का लक्ष्य व्यक्ति को परिवार व समाज से जोड़ना तथा सज्जन लोगों के एकीकरण द्वारा समाज, देश एवं विश्व का भला करना था।

डा. महेश शर्मा ने किसान एवं कृषि क्षेत्र को संकट में बताते हुए विदेशी मॉडलों की नकल न करके भारतीय जीवन शैली सभ्यता एवं रहन–सहन के अनुसार कृषि के विकास की बात कही। उन्होंने नीति आयोग के मुकाबले कृषि विश्वविद्यालयों से कृषि के विकास की अधिक उम्मीद जतायी। श्री प्रेम बड़ाकोटी ने दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानव वाद को आसान न बताते हुए उसका बार–बार अध्यन व मनन करने की आवश्यकता बतायी। साथ ही दीनदयाल व नाना जी देशमुख के समकालीन अन्य लोगों, भाऊराव देवरस, डा. नित्यानन्द एवं तत्व पंत ठेगडे के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर नाना जी देशमुख के साथ रहीं उनकी सहयोगी, डा. नंदिता पाठक, ने विभिन्न दृष्टान्तों द्वारा नाना जी के व्यक्तिव के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के प्रारम्भ में कृषि संचार विभाग के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, डा. शिवेन्द्र कश्यप, ने राष्ट्रीय संगोष्ठी का पंतनगर विश्वविद्यालय के परिपेक्ष्य में महत्व बताया तथा अतिथियों का परिचय दिया। कुलपति, डा. जे. कुमार ने अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्जवलन, विश्वविद्यालय गान एवं मयंक कुमार द्वारा मां भारती की वंदना से हुआ। अंत में कार्यक्रम में उपस्थिति के लिए सभी को डा. कश्यप ने धन्यवाद दिया।

प्रातः संगोष्ठी से पूर्व मंत्री श्री अरविन्द पांडे ने कृषि महाविद्यालय के कृषि संचार विभाग में निर्मित शैक्षणिक मीडिया लैब का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलपति, डा. जे. कुमार; निदेशक शोध, डा. एस.एन. तिवारी; एवं विभागाध्यक्ष, डा. एस.के. कश्यप उपस्थित थे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि में रूप में उदबोधन करते विद्यालयी शिक्षा मंत्री, श्री अरविन्द पांडे।

कृषि महाविद्यालय में शैक्षणिक मीडिया लैब का उदघाटन करते विद्यालयी शिक्षा मंत्री, श्री अरविन्द पांडे।